


XXXIX(a)BR(H)-11

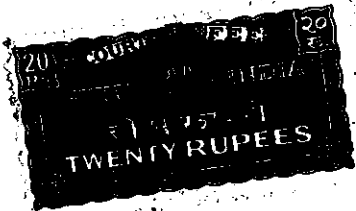
राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक आर.2034-दो/06

जिला-मण्डला

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
7-7-15	<p>इस प्रकरण में दिनांक 2-7-10 के बाद से आवेदक की ओर से कोई उप. नहीं हो रहा है । इससे ऐसा प्रतीत होता है कि आवेदक को अपना प्रकरण चलाने में कोई रुचि नहीं है ।</p> <p>अतः आवेदक की रुचि के अभाव में यह प्रकरण इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है । दाखिल रिकार्ड हो ।</p>	<p> सदस्य</p>


ब.



4

समाप्त:- माननीय राजस्व मंडल, न्यायालय, म. प्र. ग्वालियर
म. प्र. राजस्व मंडल, ग्वालियर

राजस्व पुनरोक्षण प्र. क्र. /06-07 प्रस्तुति दिनांक 11. 10. 06

श्रीमति वसोदी बाई ठाकुर आयु लगभग 90 वर्ष,
पति जीवन लाल ठाकुर निवासा ग्राम बिझिया
तह. व जिला मण्डला ग्राम पंचायत बिझिया.....

पुनरोक्षकता
अवेदिका

R.M. R
नं 44-एच-24 की प्रतिया
कोरत उत्प्रेषित

13/10/06
दि 2034-II/2004

चिह्न
=====

श्रीमति दुर्गावती डोगसरे आयु लगभग 50 वर्ष, पति
स्व. श्री विष्णु बिहारी डोगसरे (सोनी) निवासी
सदर बाजार मण्डला तह. व जिला मण्डला.....

अनावेदक/उत्तरवादी

कर्मिक By Post
रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा आज
दिनांक 24-10/06 को प्राप्त

पुनरोक्षण अवेदन अन्तर्गत धारा 7 म. प्र. व सिद्धलकार अधिनियम 1980

रिवीजन पेट्रीशनर की ओर से निम्न लिखित निवेदन है :-
प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य:-

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है कि ग्राम बिझिया प. ह. नं. 28
राजस्व निरोक्षक मंडल मण्डला तहसील व जिला मण्डला में स्थित कृषि भूमि
खसरा नंबर 148 रकबा 3.28 एकड़ लगानों 4.50 रुपया का मालिक वर्ष
1927-28 के खंदोबस्त अनुसार लालू लाल कन्द नन्हू लाल लोधी निवासी
बिझिया था वर्ष 1944-45 से पुनरोक्षकता/अवेदिका श्रीमति वसोदी बाई
ठाकुर का उपरोक्त भूमि के 50x100=5000 वर्गफुट भूमि में कब्जा कल मकान
बना कर अपने परिवार सहित रह रही थी जिसकी जानकारी वर्तमान भू-
स्वामी उत्तरवादी श्रीमति दुर्गावती डोगसरे जो नंदराम बाबू कन्द श्रीराम
सोनार मण्डला की पुत्री है की जानकारी में रहा । इस प्रकार अवेदिका
पुनरोक्षकता वर्तमान खसरा नंबर 148/1 में स्थित भूमि में कले मकान का
विगत 60-62 वर्ष से उपयोग/उपभोग करती वती आ रही है यह श्री निवेदक
है कि अवेदिका के द्वारा वर्ष 1945-46 के पूर्व उपरोक्त मकान स्वयं की
लागत से बनायी थी ।

उपरोक्तानुसार भूमि स्वामी हक की भूमि में पुनरोक्षकता की
रहवासी मकान 5000 वर्गफुट में बने होने के कारण म. प्र. व सिद्धलकार अधि-
नियम 1980 के प्रभावशील होने के कारण तथा वर्ष 1980 के पूर्व निर्मित होने

..2..



Handwritten signature

Handwritten signature